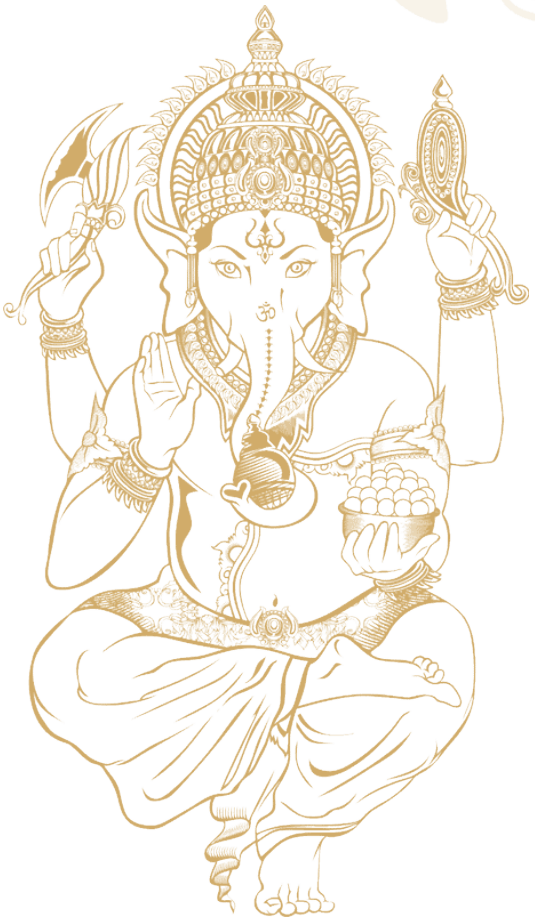

Nanu

21 Mar 1998

06:14 AM

Ratlam

Model: web-freekundliweb

Order No: 121342421

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20-21/03/1998**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**06:14:07 घंटे**
इष्ट	59:09:24 घटी
स्थान	**Ratlam**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:18:00 उत्तर
रेखांश	75:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:44:31 घंटे
वेलान्तर	-00:07:35 घंटे
साम्पातिक काल	17:37:53 घंटे
सूर्योदय	06:34:21 घंटे
सूर्यास्त	18:40:23 घंटे
दिनमान	12:06:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:22:10 मीन
लग्न के अंश	28:46:05 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	28:46:05	481:52:21	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	06:22:10	00:59:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	02:58:55	12:43:59	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मीन	18:45:50	00:45:54	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	मित्र राशि
बुध			मीन	24:42:07	00:52:03	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	16:49:32	00:14:02	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मक	20:04:44	00:56:13	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	26:35:00	00:07:18	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु			सिंह	16:30:40	00:00:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	16:30:40	00:00:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:36:05	00:02:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	07:48:01	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	14:12:20	00:00:20	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			धनु	01:05:36	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:50

लग्न-चलित

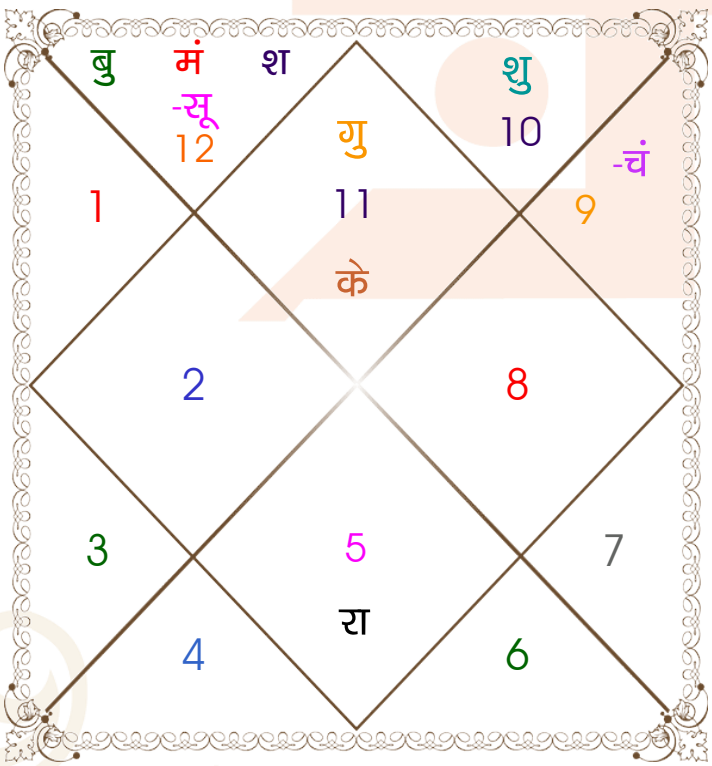

चन्द्र कुंडली

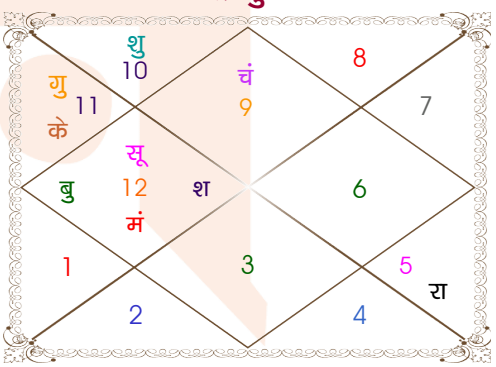

नवमांश कुंडली

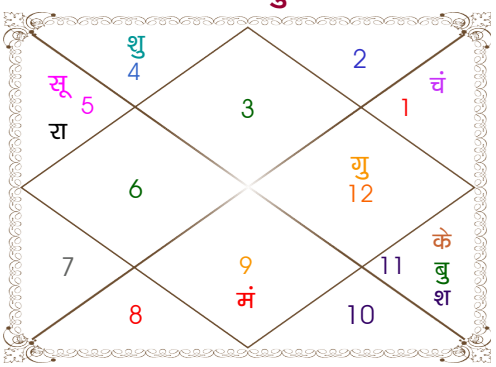

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 5 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/03/1998		27/08/2003		27/08/2023		26/08/2029		27/08/2039	
27/08/2003		27/08/2023		26/08/2029		27/08/2039		26/08/2046	
	21/03/1998	शुक्र	26/12/2006	सूर्य	14/12/2023	चंद्र	27/06/2030	मंगल	23/01/2040
शुक्र	24/03/1998	सूर्य	26/12/2007	चंद्र	14/06/2024	मंगल	26/01/2031	राहु	09/02/2041
सूर्य	30/07/1998	चंद्र	26/08/2009	मंगल	20/10/2024	राहु	26/07/2032	गुरु	16/01/2042
चंद्र	28/02/1999	मंगल	26/10/2010	राहु	13/09/2025	गुरु	25/11/2033	शनि	25/02/2043
मंगल	27/07/1999	राहु	26/10/2013	गुरु	03/07/2026	शनि	27/06/2035	बुध	22/02/2044
राहु	14/08/2000	गुरु	26/06/2016	शनि	15/06/2027	बुध	25/11/2036	केतु	20/07/2044
गुरु	21/07/2001	शनि	27/08/2019	बुध	20/04/2028	केतु	26/06/2037	शुक्र	20/09/2045
शनि	29/08/2002	बुध	27/06/2022	केतु	26/08/2028	शुक्र	25/02/2039	सूर्य	25/01/2046
बुध	27/08/2003	केतु	27/08/2023	शुक्र	26/08/2029	सूर्य	27/08/2039	चंद्र	26/08/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/08/2046		26/08/2064		26/08/2080		27/08/2099		27/08/2116	
26/08/2064		26/08/2080		27/08/2099		27/08/2116		00/00/0000	
राहु	09/05/2049	गुरु	14/10/2066	शनि	30/08/2083	बुध	23/01/2102	केतु	23/01/2117
गुरु	02/10/2051	शनि	26/04/2069	बुध	09/05/2086	केतु	21/01/2103	शुक्र	22/03/2118
शनि	08/08/2054	बुध	02/08/2071	केतु	18/06/2087	शुक्र	20/11/2105		00/00/0000
बुध	25/02/2057	केतु	08/07/2072	शुक्र	17/08/2090	सूर्य	27/09/2106		00/00/0000
केतु	15/03/2058	शुक्र	09/03/2075	सूर्य	30/07/2091	चंद्र	26/02/2108		00/00/0000
शुक्र	15/03/2061	सूर्य	26/12/2075	चंद्र	28/02/2093	मंगल	23/02/2109		00/00/0000
सूर्य	07/02/2062	चंद्र	26/04/2077	मंगल	08/04/2094	राहु	12/09/2111		00/00/0000
चंद्र	08/08/2063	मंगल	02/04/2078	राहु	12/02/2097	गुरु	18/12/2113		00/00/0000
मंगल	26/08/2064	राहु	26/08/2080	गुरु	27/08/2099	शनि	27/08/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 5 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन की कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाली हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगी। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगी। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगी। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखती हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहती हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचती है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन की ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाली व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करती हो दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहती। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहती। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमान पति एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित महिला हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली महिला के समान धनी हो जाओगी। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करती हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देती तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़ी रहती हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकती हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकती है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।